ओ३म्

प्रभात आश्रम के वार्षिकोत्सव में हुआ श्रद्धा का साक्षात् दर्शन

१३, १४ जनवरी को मकर सौर संक्रान्ति के पावन पर्व पर गुरुकुल प्रभात आश्रम का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। **१३** जनवरी को स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान के तत्त्वावधान में अखिल भारतीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय था **'वैदिक वाङ्मय में देवताओं का स्वरूप'।** गोष्ठी का शुभारंभ वैदिकी सरस्वतीवंदना से हुआ। तदुपरांत गुरुकुल के ब्रह्मचारियों द्वारा स्वागत-गीतिका के माध्यम से वैदिक विद्वानों तथा समस्त अभ्यागतों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात् प्राचीन परम्परा का अनुसरण करते हुए प्रभात आश्रम के ब्रह्मचारियों ने सभी अभ्यागत विद्वानों का चंदन-चर्चन, माल्यार्पण, उत्तरीय व श्रीफल प्रदानकर अर्चन किया। इस गोष्ठी के अध्यक्ष **डॉ. जयदत्त उप्रैती जी,** अल्मोड़ा तथा सारस्वत अतिथि **डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र जी,** कुरुक्षेत्र वि.वि. (कुरुक्षेत्र) थे, विशिष्ट वक्ताओं में केशवानन्द योगसंस्थान, दिल्ली के अध्यक्ष **पूज्य स्वामी अनन्तभारती जी**, **आचार्य वेदव्रत जी**, (श्रुति विज्ञानाश्रम, कुरुक्षेत्र), **डॉ. निरंजनदेव मंगलम् जी**, (फरीदाबाद), **प्रो. बलवीर आचार्य जी** (रोहतक), **प्रो. पंकज कुमार मिश्र जी**, व **डॉ. भारतेन्दु पाण्डेय जी** (दिल्ली वि.वि. दिल्ली), **प्रो. मानसिंह जी**,(निदेशक, स्वा. सम. वै. शो. सं. मेरठ) आदि उपस्थित थे। गोष्ठी के संयोजक **प्रो. सोमदेव शतांशु जी** (गु. कां. वि.वि. ,हरिद्वार), रहे। गोष्ठी का द्वितीय सत्र मध्याह्न **२.३०** बजे से प्रारंभ हुआ। इसके अध्यक्ष **प्रो. सुभाष वेदालंकार जी** (पूर्वाचार्य राज. वि.वि. जयपुर) तथा संयोजक **डॉ. श्रीवत्स शास्त्री जी** (दिल्ली वि.वि. दिल्ली) थे। इस सत्र के विशिष्ट वक्ताओं में **डॉ. कन्हैयालाल पाराशर जी**, वि.वै.शो.सं. होशियारपुर, दिल्ली वि.वि. से **डॉ. सत्यमूर्ति जी, डॉ. बलराम शुक्ल जी, डॉ. जगमोहन जी,** कुरुक्षेत्र वि.वि. से **डॉ. ललितकुमार गौड़ जी, डॉ. सी.डी.एस. कौशल जी,** चौ. चरण सिंह वि.वि. से **डॉ. दुर्गाप्रसाद मिश्र जी, डॉ. देवेन्द्र सिंह जी सोलंकी, डॉ. संतकुमार मिश्र जी, डॉ. उमा शर्मा जी, तथा इनके साथ डॉ. विश्वेश जी डॉ. वेदव्रत जी, डॉ. विनोद जी** इत्यादि अनेकों विद्वान् उपस्थित थे। गोष्ठी में लगभग **५०** शोधपत्र-वाचकों ने शोधपत्र वाचन किया। अपराह्न **५** बजे पूज्य स्वामीजी, कुलपति गु.प्र.आ. के आशीर्वचनों तथा शान्तिपाठ के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

१४ जनवरी को प्रातः **९** बजे गुरुकुल का वार्षिकोत्सव प्रारंभ हुआ। जहाँ सर्वप्रथम पूज्य स्वामीजी के ब्रह्मत्व में **५** जनवरी से प्रारब्ध ऋग्वेदपारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति तथा नवप्रविष्ट ब्रह्मचारियों का उपनयन तथा वेदारम्भ संस्कार संपन्न हुआ। इसके पश्चात् गुरुकुल के ब्रह्मचारियों द्वारा कुलभूमि पर पधारे समस्त अभ्यागतों का स्वागत-गीतिका के माध्यम से स्वागत किया गया । पं. शोभाराम प्रेमी जी तथा आर्य-जगत् के अन्य विशिष्ट भजनोपदेशकों ने अपने सुमधुर भजनों से समस्त जनसमूह के कर्णविवरों को रसाप्लावित तथा जीवनोपादेय उपदेशों से संतृप्त किया। इसके पश्चात् विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित **'राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा'** में कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति (जे. आर. एफ.) हेतु चयनित गुरुकुल के **४** ब्रह्मचारियों **ब्र. रोहित, ब्र. प्रशान्त**, **ब्र. कुलदीप** तथा **ब्र. सतीश** को सम्मानित किया गया। आर्ष गुरुकुल नोएडा में आयोजित अन्तर्गुरुकुलीय व अन्तर्महाविद्यालयीय वेद-विकृतिपाठ, श्लोकोच्चारण व व्याख्यानादि प्रतियोगिताओं में गुरुकुल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्सव-कार्यक्रम प्रगति पर था; तभी दैववशात् आई वृष्टि ने जनता का उत्साह भंग करने का प्रयास किया, परंतु उनकी श्रद्धा की पराकाष्ठा इतनी थी कि वे तनिक भी विचलित नहीं हुए और श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा प्रसाद ग्रहण करते रहे तथा कार्यक्रम अनवरत रूप से चलता रहा। जहाँ गुरुकुल के विद्यार्थियों ने व्याख्यान, मन्त्रप्रश्नोत्तरी एवं सबसे आकर्षक चाणक्य-प्रतिज्ञा नामक संस्कृतनाटकादि जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वृष्टि की अधिकता के कारण बल प्रदर्शन तथा योगासन प्रदर्शन का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। अन्त में पूज्य स्वामीजी ने सभी अतिथियों को आर्शावचनों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्ररक्षा का संदेश व आगामी उत्सव का निमन्त्रण दिया तथा शान्तिपाठ के साथ गुरुकुल का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ।